खुद चला नैया

तीन तलाक की सजा
बदली नहीं है फिजा,
हर बेटी है शामत में
खोट ऐसी है नीयत में!
न संपत्ति हासिल
न आपत्ति शामिल,
न बचती शहर में
न गर्भ में न घर में!
मर्दानगी के चौबारे
दिलासा के गुब्बारे,
तोड़-फोड़ इनको
मिट्टी में मिला रे!
पितृसत्ता हो भैया
या 56 इंची खिवैया,
पकड़ अपनी पतवार
चला अपनी नैया!

– विकास नारायण राय

यह नए मिजाज का देश है भाई

यह नए मिजाज का देश है भाई,
इसमें अपराध होता है
मगर कोई अपराधी नहीं होता
हत्या होती है
मगर कोई हत्यारा नहीं होता
घोटाला होता है
मगर कोई घोटालेबाज नहीं होता
भ्रष्टाचार होता है
मगर कोई भ्रष्टाचारी नहीं होता
बलात्कार होता है
मगर कोई बलात्कारी नहीं होता
न्यायालय और न्यायाधीश होता है
मगर न्याय नहीं होता
यह नए मिजाज का देश है भाई
यहां अपराध होता है
मगर कोई अपराधी नहीं होता

— देवप्रिय अवस्थी

साप्ताहिक मज़दूर मोर्चा

जी हां, पाठकों की भारी मांग पर मज़दूर मोर्चा अब 15 दिन के बजाय 7 दिन बाद मिलने लगेगा। अर्थात अब आपका यह अखबार पाक्षिक से साप्ताहिक होने जा रहा है। सुधी पाठकों को अब अगले धमाके के लिये लम्बा इन्तज़ार नहीं करना पड़ा करेगा। परिवर्तन की तिथि शीघ्र घोषित की जायेगी।

आशा है सभी पाठक सहयोग बनाये रखेंगे।

सम्पादक

सरकार की तुगलकी नीति से इलाज को तरस रहे हैं लाखों लोग

फ़रीदाबाद (म.मो.) प्रदेश की भाजपा सरकार की तुगलकी नीतियों के कारण एनआईटी इलाके के लाखों लोगों को इलाज के लिए दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर होना पड़ रहा है। पूर्व की हुड्डा सरकार ने एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को नजदीक इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाने के उदेश्य से सेक्टर 55 में 25 बिस्तर के अस्पताल के भवन का निर्माण करवाया था। करीब आठ करोड़ की लागत से आधा एकड़ जमीन पर स्थित इस भवन को बने करीब चार साल का समय बीत चुका है। लेकिन इसमें अस्पताल नहीं खुल पाया।

करीब एक साल पहले मनोहर लाल खट्टर सरकार ने पलवल में हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। विश्वविद्यालय के भवन के निर्माण में समय लगना था। जिसके कारण सरकार ने आनन फानन में सेक्टर 55 में बने इस अस्पताल के भवन में विश्वविद्यालय खोलने का आदेश सुना डाला। इस आदेश को सुनाए हुए भी करीब एक साल से ज्यादा समय बीत चुका है। लेकिन इसमें आज तक विश्वविद्यालय का कार्यालय भी नहीं खुल पाया है।

सरकार के आदेश पर अधिकारियों ने भी आनन फानन में इस भवन का दौरा कर इसमें विश्वविद्यालय खोलने पर सहमति दे दी। कुछ ही दिनों में इस भवन में विश्वविद्यालय का बोर्ड लगा कर तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने अपना कर्तव्य पूरा कर दिया। भवन की देखभाल करने के नाम पर विभाग ने एक चौकीदार तैनात करने के सिवा आज तक कोई काम नहीं किया। यहां विश्वविद्यालय तो आज तक नहीं खुल पाया बल्कि सरकार पर यहां तैनात चौकीदार के वेतन का बौझ जरूर पड़ना शुरू हो गया।

इस भवन में तैनात चौकीदार ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वह परिसर में ही बने क्वार्टर में रहता है। भवन में विश्वविद्यालय खुलने की घोषण होने के बाद उसकी मौजूदगी में एनएच पांच स्थित आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) से कुछ अधिकारी तो इस भवन का दौरा करने के लिए दो या तीन बार आए है। इसके अलावा उसने आज तक किसी को भी यहां आते हुए नहीं देखा। साथ ही इस भवन में विश्वविद्यालय के नाम का कोई फर्नीचर अथवा अन्य सामान भी नहीं आया। इस तुगलकी फरमान के कारण जुमलेबाजी कर सत्ता हासिल करने वाली भाजपा सरकार की इस तरह की गलत नीतियों के कारण एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले लोगों को आज भी इलाज के लिए दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इलाके में मौजूद डिस्पेंसरियों की हालत किसी से छुपी नहीं है। मजबूरी में लोगों को अपने इलाज के लिए बीके अस्पताल जाना पड़ता है। वहां भी इलाज के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही की जाती है।कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे शिवचरण लाल शर्मा ने बताया कि एनआईटी विधानसभा क्षेत्र घनी आवादी वाला इलाका है। वैसे तो इस इलाके में कई डिस्पेंसरियां मौजूद है। लेकिन गंभीर स्थिति में इलाके के लोगों को अपने इलाज के लिए बीके अस्पताल में जाना पड़ता है। बीके अस्पताल में वैसे ही मरीजों की भारी भीड़ लगी रहती है। इलाके के लोगों की इस समस्या को देखते हुए उन्होंने अथक प्रयासों के बाद सेक्टर 55 में 25 बिस्तर का अस्पताल बनवाने की मंजूरी तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से ली थी। शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में ही भवन का निर्माण कार्य भी पूरा करवा दिया था। सरकार अस्पताल खोलने की तैयारी कर रही थी कि चुनाव आ गए। जिसके बाद सत्ता में आई भाजपा सरकार ने इस भवन में अस्पताल खोलने में कोई रूचि नहीं दिखाई।

भाजपा सरकार के इस गलत फैसले के कारण जहां भवन बनने के बावजूद इलाके के लोगों को इलाज के लिए धक्के खाने पड़ रहे है, वहीं इसका इस्तेमाल न होने के कारण यह दिन पर दिन जर्जर होता जा रहा। करोड़ों रुपये की लागत से बना यह भवन कई सालों से बंद रहने के कारण इसमें सीलन पड़ती जा रही है। सही तरीके से रख रखाव और देखभाल न होने के कारण यहां गंदगी फैली रहती है। इसके अलावा लोग रात के समय इस भवन के परिसर में अपने ट्रक और अन्य वाहनों को खड़ा कर पार्किंग रूप में इस्तेमाल कर रहे है। ऐसा नहीं है कि क्षेत्र के इनेलो नेता नागेंद्र भडाना को इस बारे में कुछ पता नहीं है। आम जनता का भला करवाने का दावा करने वाले विधायक भडाना अपने निजी फायदे के लिए अनौपचारिक रूप से भाजपा की गोद में जा बैठे हैं। उन्होंने इलाके के लोगों के दुख दर्द को कभी भी नहीं समझा। भाजपा सरकार बनने के बाद इस इलाके में विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगाई गई। जो पहले से मौजूद है, वह भी बर्बाद हो रहा है।

सरकार की लापरवाही से खडंहर में...

पेज एक का शेष

को बापू नगर में फ़्लैट अलॉट कर शिफ़्ट कर दिया। लेकिन इसके बाद झुग्गी वालों को फ़्लैट अलॉट करने के मामले को निगम ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। वर्ष 2014 में विधानसभा चुनावों के बाद झूठे वायदों और धर्म के नाम पर सत्ता में आई भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार ने बाकी बचे फ़्लैटों की तरफ ध्यान देने की कोई जरूरत महसूस नहीं की। सरकार की इस लापरवाही के कारण जहां बेशकीमती जमीनों में बनी झुग्गियां आज तक नहीं हट पाई। वहीं दूसरी तरफ करोड़ों रुपये की लागत से बने यह खाली फ़्लैट खंडहर में तब्दील होते जा रहे है। निर्माण के बाद करीब सात साल का समय बीत जाने के कारण इन फ़्लैटों की हालत बद से बदत्तर होती जा रही हैं। इन फ़्लैटों की हालत को देख कर स्पष्ट हो रहा है कि इनके निर्माण के दौरान तत्कालीन सरकार के नेताओं ने अधिकारियों से मिलीभगत कर जबरदस्त घोटाला किया था। निर्माण कार्य के दौरान घटिया सामाग्री का इस्तेमाल किया गया था।

इसके अलावा डबुआ कॉलोनी में जिन 202 परिवार को शिफ़्ट किया गया है, वे भी यहां रह कर खुश नहीं है। यहां 1766 फ़्लैट खाली पड़े होने के कारण यह इलाका अपराधियों और असामाजिक तत्वों को शरण स्थली बन चुका है। अवैध शराब और कई तरह के अवैध धंधे यहां फल फूल रहे हैं। इसके अलावा निगम की अनदेखी के कारण यहां रह रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फ़्लैटों का पलस्तर झड़ जाने और अन्य टूट फूट होने की स्थिति में निगम द्वारा मरम्मत तक नहीं करवाई जाती।

यहां सफाई व्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई। कालोनी में बनाई गई सड़कों की हालत तो खस्ता है ही इसके साथ गलियों और सड़कों में कीचड़ भरा रहता है। नालियों की यहां महीनों सफाई नहीं की जाती। आसपास स्थित डेरी वाले अपनी गाय भैंसों का गोबर तक कॉलोनी परिसर में डाल जाते हैं।

खुद को गरीबों की हितैषी बताने वाली भाजपा सरकार के मंत्री एवं विधायकों ने इस कॉलोनी में आकर यहां रहने वाले लोगों के दुख दर्द को कभी जानने की कोशिश नहीं की। कॉलोनी से कुछ ही दूरी पर रहने वाले इनेलो के विधायक नागेन्द्र भडाना को भी यहां के निवासियों की परेशानी से कोई लेना देना नहीं है।

नीमका जेल में कुशासन, शिकार बनते बंदी

पेज एक का शेष

अनिल कुछ समय पूर्व ऐसे ही आरोप में यहां फ़स चुका था। लेकिन उसका बिगड़ा कुछ भी नहीं; कुछ समय के लिये पलवल का तबादला हुआ और जुगाड़बाज़ी करके फ़िर से यहीं आ गया।

रेप की वारदात होने के बाद जेलर द्वारा घटना का संज्ञान लेकर वर्दीधारी आरोपी के विरुद्ध कोई कार्यवाही करने की अपेक्षा मामले को दबाने का प्रयास किया गया। घटना स्थल पर कैमरे होने के बावजूद आरोपी पकड़ में नहीं आ रहा था। सी.सी.टीवी की फुटेज धुंधली हो गयी, क्यों? ताकि आरोपी पकड़ा न जा सके। अपने जेलर अनिल के ढुलमुल रवैये को देखते हुए जेल विभाग के मुख्यालय पंचकुला से आईजी जगजीत सिंह को खुद आना पड़ा। उन्होंने आते ही आरोपी वार्डर तेज सिंह को ढूंढ निकाला, निलम्बित करके ज़िला पुलिस के हवाले कर दिया। सवाल यह पैदा होता है कि ऐसे नालायक एवं अपराधी प्रवृत्ति के जेलर को यहां तैनात रखना क्यों जरूरी है? क्या उसने यह तैनाती स्थाई तौर पर खरीद ली है?

कहने की जरूरत नहीं कि भ्रष्टाचार एवं अपराध की गंगोत्री सदैव ऊपर से नीचे की ओर बहती है। यदि ऊपर बैठा अधिकारी ठीक है तो नीचे वाले भी ठीक रहते हैं, कुछ ग़लत करेंगे भी तो डर कर छिप कर करेंगे। परन्तु यदि ऊपर वाला ही लुटेरा हो तो फ़िर नीचे वाले भी बेखौफ़ हो कर खुला खायेंगे और नंगे नाचेंगे।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5
2. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड
3. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
4. 5 ई-18 नरेन्द्र बुक सेन्टर - 9810229192
5. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे
6. राम खिलावन बल्लबगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने
7. हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास
8. जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207
9. सिंगला मेडिकल स्टोर, जवाहर कॉलोनी, डिस्पोजल चौक
10. आरसीएम स्टोर, बाबा बालकनाथ मंदिर वाली गली, जवाहर कालोनी, फ़रीदाबाद